International Journal of Applied Research 2020; 6(5): 300-301

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2020; 6(5): 300-301
www.allresearchjournal.com
Received: 10-03-2020
Accepted: 12-04-2020

डॉ. कमलदीप कौर
(एसिसटेंट प्रोफेसर) खालसा कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब, भारत

Correspondence Author:
डॉ. कमलदीप कौर
(एसिसटेंट प्रोफेसर) खालसा कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब, भारत

स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इण्टर्नशिप) कार्यक्रम – समस्या या समाधान

डॉ. कमलदीप कौर

1. प्रस्तावना

स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इण्टर्नशिप) कार्यक्रम शिक्षक शिक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों के लिए दो वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान बीस सप्ताह विद्यालयों में प्रशिक्षुता के लिए निर्धारित है। जिसमें इस कार्यक्रम की एक साथ क्रियान्विति करना एक चुनौती है जिसमें प्रारम्भिक स्तर पर बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इस कार्यक्रम के दौरान अप्रत्यक्षता प्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थी शिक्षक, संस्था प्रधान, शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक तनाव ग्रस्त रहेंगे। प्रारम्भ में स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इण्टर्नशिप) कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित चुनौतियों का सामना करना पड़ा –

1.1. विद्यालय आवंटित करने में

स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इण्टर्नशिप) कार्यक्रम को सभी संस्थाओं के विद्यार्थियों के लिए एक साथ प्रारम्भ करने के लिए विद्यालय आवंटित करना, एक चुनौती से कम नहीं है। किस संस्था के कितने विद्यार्थी एक विद्यालय में आवंटित किये जायेंगे, यह किसी को भी स्पष्ट से ज्ञात नहीं था। इसलिए अलग–अलग संस्थाओं ने अपने अनुसार विद्यार्थियों को इण्टर्नशिप के लिए गृह जिले में उपस्थित होने हेतु कार्यमुक्त करने का आदेश थमा दिया। जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में जब यह आदेश पत्र व आवेदन पत्र लेकर विद्यार्थी उपस्थित हुए तो उन्हें कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों के सामने ''घर के पास लगाने की प्रार्थना'' करते कई विद्यार्थी उपस्थित हुए। किस विद्यार्थी को कहाँ लगाए और कब लगाए ? विद्यालय आवंटित करने का क्या नियम रहेगा ? बी.एड. और डी.एल.एड के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी में अन्तर रहेगा या एक समान रूप से ही विद्यालय आवंटित किये जायेंगे। क्या टिचिंग सब्जेक्टस का ध्यान रखा जायेगा ? जब विद्यालय आवंटित सूची देखी तो पाया कि अवंटन करने में किसी प्रकार की पारदर्शिता नहीं रखी गई। जैसे वाणिज्य वर्ग वाले विद्यार्थी को भी प्राथमिक विद्यालय आवंअित कर दिया गया। क्या संस्कृत विषय वाला विद्यार्थी प्राथमिक कक्षा में अध्ययन करवा सकेगा ?

2. उपस्थिति पत्रक प्रमाणित करने में

शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों के लिए इण्टर्नशिप कार्यक्रम की उपस्थित पत्रक प्रमाणित करवाने में शिक्षार्थिरूों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। उपस्थिति पत्रक को प्रमाणित कौन करेगा ? इसका प्रारूप क्या होगा ? सस्था प्रधान की क्या भूमिका रहेगी ? सर्वप्रथम उपस्थिति पत्रक कौन प्रमाणित करेगा ? क्या विद्यार्थी को गॉव, ब्लाक स्तर और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय तक भटकना पड़ेगा ? क्या विद्यार्थी के एक बार के चक्कर में ही उपस्थिति पत्र प्रमाणित हो जायेगा ? जिला शिक्षा अधिकयार किस आधार पर हस्ताक्षर करेगा ? निश्चित रूप से स्पष्ट नियमों के अभाव में सभी का महत्त्वपूर्ण समय व्यर्थ होगा और निर्धारित कार्य भी प्रभावित होंगे।

3. संस्था प्रधानों को स्पष्ट जानकारी नहीं

शिक्षक शिक्षा प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों के लिए निर्धारित इण्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान आवंटित विद्यालय के संस्था प्रधान की क्या भूमिका रहेगी ? यह पूर्णतया अस्पष्ट था। इस कारण विद्यार्थी व संस्था प्रधान स्पष्ट नहीं कर पा रहे थे कि उनकी क्या भूमिका रहेगी। विद्यार्थी–शिक्षक विद्यालय में क्या–क्या करेंगे। विद्यार्थी–शिक्षक किसके मार्गदर्शन में कार्य करेंगे ? बी.एड एव डी.एल.एड. के विद्यार्थी कौनसी कक्षा की पाठयोजना तैयार करेंगे ? वे पाठयोजना किसमें संधारित करेंगे ? विद्यार्थी के कार्य की समीक्षा कैसे की जायेगी। विद्यार्थी को एक कार्यदिवस में क्या–क्या करना होगा ? विद्यार्थी–शिक्षक की समस्या समाधान की जिम्मेदारी किसकी होगी ? इन सब प्रारम्भिक समस्याओं के बाद सम्बन्धित अधिकारियों ने संस्था प्रधान को अधिकार प्रदान करते हुए उनकी भूमिका को परिभाषित किया।

4. अंकाकन करने में

इण्टर्नशिप कार्यक्रम को सफलतापूर्वक उचित समय पूर्ण करना सबसे बड़ी चुनौती है। किस आधार पर विद्यार्थी–अध्यापक का अवलोकन कर मूल्यांकन किया जायेगा। क्या स्पष्ट नियमों के अभाव में संस्था प्रधान विद्यार्थियों का उचित एवं स्वतंत्र, निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकेगा। क्या संस्था प्रधान संबंधित विद्यार्थियों के अंकाकन उनकी संस्थाओं को डाक द्वारा भेजेगा या विद्यार्थी को ही पत्रवाहक बना देगा। ऐसे में अंको की गोपनीयता का क्या होगा ? क्या वास्तव में उचित प्रकार से गणना हो पायेगी। इस प्रकार के कार्य ने एक ऐसी स्थिति में डाल दिया कि अगर गणना उचित प्रकार से नहीं हुई तो विद्यार्थियों का नुकसान होगा। क्या शिक्षक मूल्यांकन करते समय स्थानीय दबाव समूह से प्रभावित तो नहीं होगा। अगर अंकाकन पत्र को भरने में किसी प्रकार की चूक हो गई तो उसे सुधारने के लिए विद्यार्थी पुनः ग्रामीण इलाकों में जायेगा। उस अंकाकन प्रपत्र को प्रमाणित करवाने के लिए विद्यार्थी फिर से चक्कर लगाएगा। भिन्न–भिन्न विश्वविद्यालयों के अधीन होने के कारण बी.एड. कॉलेज में अलग–अलग पाठ्यक्रम के कारण अंकाकन का विभाजन अलग–अलग होगा।

5. परीक्षा परिणाम देरी से आना

इण्टर्नशिप कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के नियमित विद्यार्थी डी.एल.एड एवं बी.एड. प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम का इंतजार किये बिना ही जब विद्यार्थियों को विद्यालय आवंटित हो गया है और विद्यार्थी ने अपना इण्टर्नशिप कार्यक्रम भी प्रारम्भ कर लिया। अगर कोई विद्यार्थी प्रथम वर्ष में अनुत्तीर्ण हो जाता है तब उसकी इण्टर्नशिप का क्या होगा ? क्या वह विद्यार्थी प्रथम वर्ष की इण्टर्नशिप फिर से करेगा या द्वितीय वर्ष की इण्टर्नशिप को नियमित रखेगा। इस प्रकार के अस्पष्ट नियमों के कारण विद्यार्थी अधरझूल में रहेगा। जिससे विद्यार्थी का मानसिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। ऐसी विकसित समस्या का समाधान करने में करने में सभी संस्था प्रधान अपना–अपना विवेक काम में ले रहें है। अगर परीक्षा परिणाम के पश्चात् इण्टर्नशिप प्रारम्भ होती है तो निश्चित रूप से ही विद्यार्थियों को इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

6. नई तकनीक का उपयोग करना आसान नहीं होगा

इण्टर्नशिप कार्यक्रम में राजकीय विद्यालयों में नई तकनीक का उपयोग कर शिक्षण करवाना आसान नहीं होगा क्योकि स्थानीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की उपलब्धता नहीं होती है। विद्यार्थी यहाँ पर साधनों की कमी के कारण नई तकनीक, नई शिक्षण विधियों, नई सहायक सामग्री द्वारा शिक्षण को प्रभावी नहीं बना पायेंगे। मात्र फाईल में संधारित करने से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। क्या विद्यार्थी इतने शिक्षित होंगे कि वे विपरीत परिस्थितियों में भी इस कार्यक्रम की योजना अनुसार कार्य पूर्ण कर लेंगे। अतः स्पष्ट है कि विद्यार्थी सुविधाओं की कमी के कारण व नई तकनीक का उपयोग करने में पूर्ण रूप से सफल नहीं होगा।

7. अवलोकन आसान नहीं होगा

स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इण्टर्नशिप) कार्यक्रम में विद्यार्थी शिक्षण विद्यालय में विभिन्न पहलुओं पर अवलोकन करेंगे तो पूर्व ज्ञान के अभाव में विद्यालय का अवलोकन सही प्रकार से नहीं कर पायेंगे। बिना प्रशिक्षण प्राप्त किए ना तो वे इतने योग्य हो पायेंगे कि वे विभिन्न क्षेत्रों पर उचित अवलोकन कर सकेंगे। उनके अनुभव को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्राकर का अवलोकन मात्र काल्पनिक अवलोकन होगा। विद्यालय में संचालित योजनाओं, शिक्षण विधियों, छात्रवृत्तियों, अभिलेखों के बारे में पूर्ण जानकारी के अभाव में अवलोकन करना मात्र एक औपचारिकता ही रह जायेगी। विद्यालय को सुचारू रूप से चलाने में आ रही समस्याओं के बारे में आधी–अधूरी जानकारी के कारण वे लक्ष्य से भटक जायेंगे। क्या विद्यालय प्रशासन उन्हें हर प्रकार की भूमिका देकर विद्यालय से सम्बन्धित प्रत्यक्ष अनुभव दिलवायेंगे या फिर रिक्त कालांश का इंतजार करने को कहेंगे।

8. विद्यालय प्रशासन की भूमिका

स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इण्टर्नशिप) कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी शिक्षकों को पूर्ण शिक्षक का दायित्व सौंपा जायेगा या नहीं ? इस कार्यक्रम को पूर्ण कराने में विद्यालय प्रशासन विद्यार्थी–शिक्षक को कितना सहयोग करते हैं। क्या वे विद्यार्थी शिक्षक को पूर्ण शिक्षक का दायित्व सौंप कर उन्हें महज औपचारिकता करने को मजबूर करेंगे या उन्हें समय–समय पर सभी परिस्थितियों के अनुसार समायोजन करने का अवसर प्रदान करेंगे। क्या विद्यालय प्रशासन उन्हें हर प्रकार की भूमिका प्रदान कर विद्यालय से सम्बन्धित प्रत्यक्ष अनुभव दिलवायेंगे या फिर रिक्त कालांश का इंतजार करने को कहेंगे।

9. स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों का सहयोग

इण्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान सबसे बड़ी चुनौती यह है कि क्या इतनी लम्बी अवधि पर स्थानीय विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक विद्यार्थी शिक्षकों को पूर्ण सहयोग करेंगे ? इनसे अध्यापन करवाना अभिभावकों को मंजूर होगा या नहीं। अभी तक अभिभावक इतना जागरूक होता है कि उन्हें अपने बच्चों का भविष्य ज्यादा महत्त्वपूर्ण लगता है। ऐसा माना जा रहा है कि इस प्रक्रिया से बच्चों के परीक्षा परिणाम पर असर पड़ेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निश्चित रूप से उनकी उपस्थिति पर स्पष्ट प्रभाव पड़ेगा। क्या वे विद्यार्थी लगातार उपस्थित रहेंगे ?

10. परीक्षा परिणाम, पाठ्यक्रम की जिम्मेदारी किसकी

इण्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी शिक्षक की क्या–क्या जिम्मेदारी होगी ? जब तक निश्चित नहीं होगा तब त कवे स्वतन्त्र होकर कार्य नहीं कर सकेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान पाठ्यक्रम को उचित प्रकार से पूर्ण कराने की जिम्मेदारी किसकी होगी ? क्या इस कार्य को विद्यार्थी शिक्षक करेंगे। क्या विद्यार्थी शिक्षक यह कार्य आवंटित कर उसे समय–समय पर जाँच कर उचित मूल्यांकन करेंगे ? क्या इस प्रकार का मूल्यांकन उचित होगा ?

इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का क्या होगा ? उनके पाठ्रूक्रम को कौन पूरा करायेगा। जब एक ही विषय को बार–बार पढ़ाया जायेगा तो विद्यार्थी का परीक्षा परिणाम सही नहीं आयेगा। जब उसका परीक्षा परिणाम प्रभावित होगा तो उस पर क्या बितेगी। परीक्षा परिणाम का असर किन–किन पर आंशिक रूप से पड़ेगा ?

उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि इण्टर्नशिप कार्यक्रम विद्यालयों में संचालित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है जिसको पूर्णतया लागू करने में अभी समय लगेगा जैसे–जैसे समय बितेगा, विद्यार्थी अध्यापक अपने अनुभव से इस कार्यक्रम की चुनौतियों पर विजय प्राप्त करेंगे।

11. संदर्भ

1. गुलाब, ए.पी. (2001) शिक्षक प्रशिक्षण–एक चिन्तनशील परिप्रेक्ष्य।
2. डा. प्रजापति, रविशंकर – विद्यालय इण्टर्नशिप कार्यक्रम पर चर्चा
3- Implementational of Internship in 2 year B.Ed. Course – A challenge or Routine Task – Dr. Parijat Chakrabarty.